हकेंवि में पुस्तकालय का प्रशिक्षण शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम वीरवार से शुरू किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालय के व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मदद मिलेगी।

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) कोलकत्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली और डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के सहयोग से एमलिब के विद्यार्थियों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईएम अहमदाबाद के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बांका बिहारी चंद, मल्लिकार्जुन डोरा, एम. इलियाराजा, आशा देसाई, विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आईआईएम, अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वीएसएल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डॉ. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

हकेंवि में विद्यार्थियों के लिए 4 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 4 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान कोलकाता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली व डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एम.लिब. के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई, 2022 तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईएम अहमदाबाद के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बांका बिहारीचंद, मल्लिकार्जुन डोरा, एम. इलियाराजा, आशा देसाई, विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आईआईएम, अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

साथ ही उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वीएसएल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डॉ. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने में मिल सकेगी मदद

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर), कोलकाता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली व डा. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एमलिब के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आइआइएम अहमदाबाद के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. बांका बिहारी चंद, मल्लिकार्जुन डोरा, एम इलियाराजा, आशा देसाई, विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आइआइएम, अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वीएसएल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डा. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया संबोधित

हकेंवि में चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

■ प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईएम अहमदाबाद के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बांका बिहारी, मल्लिकार्जुन डोरा आदि पहुंचेंगे

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकत्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली व डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एमलिब के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईएम अहमदाबाद के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बांका बिहारी चंद, मल्लिकार्जुन डोरा, श्रीएम इलियाराजा, आशा देसाई, विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आईआईएम, अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वीएसएल आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डॉ. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

हकेंवि में विद्यार्थियों के लिए 4 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

हकेंवि की फाइल फोटो।

महेंद्रगढ़, 30 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 4 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली व डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एम.लिब. के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई तक 4 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.एम. अहमदाबाद के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बांका बिहारी चंद, मल्लिकार्जुन डोरा, एम. इलियाराजा, आशा देसाई, विरल कुमार नविक विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं।

प्रो. गुप्ता ने बताया कि मल्लिकार्जुन डोरा ने विक्रम साराभाई पुस्तकालय, आई.आई.एम., अहमदाबाद की केस स्टडी के माध्यम से पुस्तकालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय संग्रह, वी.एस.एल. आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में डॉ. बांका बिहारी चंद ने कौशल विकास के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाया और बताया कि कौशल विकास के माध्यम से किस प्रकार से सफल पेशेवर बनने में मदद मिलती है।

हकेवि में विद्यार्थियों के लिए चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद; भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकत्ता; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली व डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से एम.लिब. के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को पुस्तकालयों के व्यावहारिक ज्ञान को जानने-समझने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 27 जून से 27 जुलाई, 2022 तक चार सप्ताह का ग्रीष्मकालीन पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग के लिए किया एमओयू

हकेंविवि व सीएसआईआर-आईएचबीटी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर, विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ और सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सीएसआईआर-आईएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंत:विषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में सहयोग और सुविधा प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार का स्वागत किया।

हकेंविवि में एमओयू पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ में प्रो. सुनील कुमार व प्रो. नीलम सांग। संवाद

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टेक्नोलॉजी एनएबलिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रो. व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे।

बता दें कि सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर हिमालयी क्षेत्रों के जैव संसाधनों में अनुसंधान करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान ने उद्योगों के साथ-साथ किसानों के लिए अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज से संबंधित संकाय सदस्य वैज्ञानिक अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं, जो वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के हैं।

अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग के लिए हकेंवि व सीएसआईआर-आईएचबीटी के बीच एमओयू

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि और सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएसआईआर-आईएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंतःविषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार का स्वागत किया।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टेक्नोलॉजी एनएबलिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रोफेसर व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे।

सीएसआइआर-आइएचबीटी व हकेंवि के बीच समझौता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ और सीएसआइआर-आइएचबीटी पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएसआइआर-आइएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआइआर-आइएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डा. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंतःविषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर डा. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार का स्वागत किया।प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टेक्नोलाजी एनएबलिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रोफेसर व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डा. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि सीएसआईआर-आइएचबीटी पालमपुर हिमालयी क्षेत्रों के जैव संसाधनों में अनुसंधान करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान ने उद्योगों के साथ-साथ किसानों के लिए अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज से संबंधित संकाय सदस्य वैज्ञानिक अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं, जो वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर पहले) व अन्य अधिकारीगण ● सौ. हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ व सीएसआईआर-आईएचबीटी ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

विजय कौशिक/गुड़गांवे मल

नारनौल, 4 जुलाई। रियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएसआईआर-आईएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंत:विषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान; कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमार; वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार का स्वागत किया।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टेक्नोलॉजी एनएबलिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रोफेसर व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे।

यहां बता दें कि सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर हिमालयी क्षेत्रों के जैव संसाधनों में अनुसंधान करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान ने उद्योगों के साथ-साथ किसानों के लिए अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिपलिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज से संबंधित संकाय सदस्य वैज्ञानिक अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं, जो वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के है।

हकेंवि व सी.एस.आई.आर.-आई.एच.बी.टी. ने किए एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

महेंद्रगढ़, 4 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ और सी.एस.आई.आर.-आई.एच.बी.टी., पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

सी.एस.आई.आर.-आई.एच.बी.टी. के स्थापना दिवस पर हुए इस एम.ओ.यू. पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सी.एस.आई.आर.-आई.एच.बी.टी., पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए।

एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ में प्रो. सुनील कुमार व प्रो. नीलम सांगवान।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंत: विषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार का स्वागत किया।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को सांझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टैक्नोलॉजी एनएबलिंग सैंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रो. व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे।

यहां बता दें कि सी.एस.आई.आर.-आई. एच. बी.टी. पालमपुर हिमालयी क्षेत्रों के जैव संसाधनों में अनुसंधान करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान ने उद्योगों के साथ-साथ किसानों के लिए अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास किया है।

वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज से संबंधित संकाय सदस्य वैज्ञानिक अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं, जो वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के हैं।

हकेवि व सीएसआईआर-आईएचबीटी ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएसआईआर-आईएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंत:विषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

CUH, CSIR-IHBT SIGN MEMORANDUM

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) has signed a memorandum of understanding (MoU) with CSIR-IHBT, Palampur, to promote research and academic activities. The MoU was signed by CUH Vice-Chancellor Prof Dr. Tankeshawar Kumar and IHBT Director Dr Sanjay Kumar. Dr Sanjay said the MoU would promote and strengthen research and academic activities of joint mutual interest, including exchange of faculty members and students, training and organising national seminars/workshops.

The Tribune
Tue, 05 July 2022
https://epaper.tribunei

हकेंविवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन 10 जुलाई तक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 19 मई से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर से बढ़ा दी गई है।

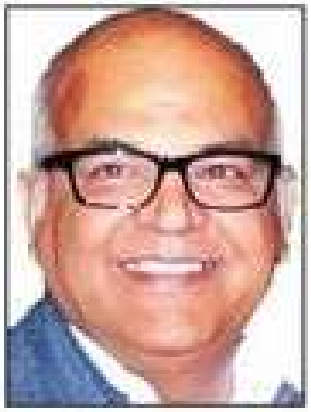

टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 10 जुलाई कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए दिल्ली विवि, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विवि सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 10 जुलाई तक चलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक 10 जुलाई को सायं 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा 11 जुलाई की रात 11.50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करा सकते हैं। परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले होगा।

कार्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मोदी-20 ड्रीम्स मीट डिलिवरी पर कार्यक्रम का आयोजन

स्वावलंबन की ओर बढ़ रहा देश : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मोदी-20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पर मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्यातिथि तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के पूर्व कुलपति और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि आज की यह चर्चा प्रमुख रूप से अंत्योदय के विकास से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली पर आधारित है। अवश्य ही इस संवाद के माध्यम से देश के विकास की यात्रा को गहराई से जानने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, रक्षा, विज्ञान आदि के क्षेत्र स्वावलंबन की ओर बढ़ रहा है।

हकेंविवि में कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्रा कुमार व अन्य। संवाद

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह कहना गलत नहीं होगा कि पहली बार देश को मन का प्रधानमंत्री मिला है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि निखारने के साथ-साथ आम नागरिक के उत्थान के लिए भी नित नए प्रयास करते हैं। आज देश में परिवारवाद, वंशवाद से इतर ऐसा राजनीतिक नेतृत्व विकसित हो रहा है जो कि आम व्यक्ति को बदलाव के अवसर उपलब्ध करा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने विचार की गुलामी, भाषा के आतंक और धर्म व जातिवाद को केंद्र में रखते हुए भारतीय स्वतंत्रता के बाद की परिस्थितियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके कालखंडों में आए बदलावों पर अपनी बात रखी। उन्होंने भाषा की बाध्यता और उससे भारतीय ज्ञान के प्रसार में आने वाली परेशानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में भी अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से बदलाव की पहल हो गई है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उपस्थित विशेषज्ञों से अपनी शंकाओं के समाधान भी प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि में स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए 10 तक करें ऑनलाइन आवेदन

महेंद्रगढ़| हकेंवि में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 19 मई 2022 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 10 जुलाई 2022 कर दी गई है। कुलपति ने कहा कि अभ्यर्थियों के रूझान व मांग को देखते हुए आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 10 जुलाई 2022 तक चलेगी।

भारत की विकास यात्रा में पीएम के योगदान पर चर्चा

महेंद्रगढ़| हकेंवि, महेंद्रगढ़ में मोदी @ 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर मंगलवार को विशेष वार्तालाप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी @ 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विस्तार से विमर्श हुआ। इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के पूर्व कुलपति व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की यह चर्चा प्रमुख रूप से अंत्योदय के विकास से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली पर आधारित है और अवश्य ही इस संवाद के माध्यम से देश के विकास की यात्रा को गहराई से जानने में मदद मिलेगी।

हकेंवि में 10 तक कर सकेंगे आनलाइन आवेदन

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 19 मई से आरंभ हुए दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तारीख एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर अब 10 जुलाई कर दी गई है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अभ्यर्थियों के रुझान व मांग को देखते हुए आवेदन हेतु बढ़ाई गई तारीख से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयूइटी के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 10 जुलाई तक चलेगी। आवेदक शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकते हैं। 11 जुलाई रात 11.50 बजे तक आनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा।

प्रधानमंत्री का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मोदी एट 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विशेष वार्तालाप का किया गया आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मोदी एट 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर मंगलवार को विशेष वार्तालाप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी एट टवेंटी ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विस्तार से विमर्श हुआ।

इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के पूर्व कुलपति व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज की यह चर्चा प्रमुख रूप से अंत्योदय के विकास से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री की कार्यप्रणाली पर आधारित है और अवश्य ही इस संवाद के माध्यम से देश के विकास की यात्रा को गहराई से जानने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री कुमार को पुष्प गुच्छ भेंट करते हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाएं) ● सौ. हकेंवि

प्रधानमंत्री को जानने के लिए कोई किताब पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, वे आमजन से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि हर व्यक्ति उनके व्यक्तित्व को जानता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश शिक्षा, रक्षा, विज्ञान आदि के क्षेत्र स्वावलंबन की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए यह कहना गलत नहीं होगा कि पहली बार देश को मन का प्रधानमंत्री प्राप्त हुआ।

ऐसा प्रधानमंत्री जो देश के विकास की बात करता है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि निखारने के साथ-साथ आम नागरिक के उत्थान के लिए भी नित नए प्रयास करता है। मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने विचार की गुलामी, भाषा के आतंक और धर्म व जातिवाद को केंद्र में रखते हुए भारतीय स्वतंत्रता के बाद की परिस्थितियों और प्रधानमंत्री व उनके कालखंडों में आए बदलावों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में आजादी के बाद भी यूरोपीय प्रभाव को महत्व दिया गया, जिसके परिणाम स्वरूप विचारों में पूर्णतः स्वतंत्रता नहीं आई।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उपस्थित विशेषज्ञों से अपनी शंकाओं के समाधान भी प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो सारिका शर्मा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजीव कौशिक, डा. संतोष एच, प्रो. रंजन अनेजा, डा. पायल चंदेल, डा. रणबीर सिंह, डा. दिनेश कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. एपी. शर्मा, डा. नरेंद्र परमार, डा. प्रदीप सिंह, डा. दिव्या, डा. मनीष कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

मोदी-20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विशेष वार्तालाप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मोदी-20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर मंगलवार को विशेष वार्तालाप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी-20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विस्तार से विमर्श हुआ। इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्यातिथि तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विवि, मोतीहारी के पूर्व कुलपति व चौधरी चरण सिंह विवि के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मौके पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए ये कहना गलत नहीं होगा कि पहली बार देश को मन का प्रधानमंत्री मिला हैं। ऐसा प्रधानमंत्री जो देश के विकास की बात करता है।

हकेंवि में स्नातकोत्तर के लिए बढ़ाई तिथि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 19 मई से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एकबार फिर से बढ़ा दी गई है। सीयूईटी के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 10 जुलाई कर दी गई है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अभ्यर्थियों के रूझान व मांग को देखते हुए आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विवि में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि यूजीसी द्वारा इस बार एनटीए के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु दिल्ली विवि, जवाहर लाल नेहरू विवि, हरियाणा केंद्रीय विवि सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन है, प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 10 जुलाई तक चलेगी।

Date of application for PG Programmes at CUH has been extended

Our Correspondent
info@impressivetimes.com

THE CUET-NODAL OFFICER OF THE UNIVERSITY, PROF. PHOOL SINGH INFORMED THAT THIS TIME THE UNIVERSITY GRANTS COMMISSION (UGC) IS CONDUCTING GENERAL ENTRANCE EXAMINATION FOR ADMISSION IN PG PROGRAMMES RUNNING IN VARIOUS UNIVERSITIES THROUGH NATIONAL EXAMINATION AGENCY (NTA)

MAHENDRAGARH: The last date of application for admission in the Postgraduate (PG) programmes for the academic session 2022-23 at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has been extended to July 10, 2022. Prof. Tankeshwar Kumar,Vice Chancellor said that that in view of the demand of the candidates,more applicants would get the opportunity to get admission in the university from the extended date of application. The CUET-Nodal Officer of the University, Prof. Phool Singh informed that this time the University Grants Commission (UGC) is conducting general entrance examination for admission in PG programmes running in various universities through National Examination Agency (NTA). Under which the application process for the entrance examination to be held for admission in Postgraduate programmes will now run till July 10, 2022. He informed that the applicants can apply online till 5 pm on July 10, 2022. Only on the basis of this examination, applicants will enroll in various Postgraduate programmes available at the University.

ह.केंं.वि. में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि फिर बढ़ाई

आवेदक अब 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

महेंद्रगढ़, 5 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.केंं.वि.), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 19 मई, 2022 से आरंभ हुए दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 10 जुलाई, 2022 कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अभ्यर्थियों के रूझान व मांग को देखते हुए आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सी.यू.ई.टी. के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी (एन.टी.ए.) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 10 जुलाई, 2022 तक चलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक 10 जुलाई सायं 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा 11 जुलाई रात 11.50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला होगा।

मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विशेष वार्तालाप आयोजित

भारत की विकास यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान पर हुआ विचार-विमर्श

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री कुमार को पुष्प गुच्छ भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (दाएं) कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. संजीव कुमार शर्मा।

महेंद्रगढ़, 5 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर मंगलवार को विशेष वार्तालाप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विस्तार से विमर्श हुआ।

इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के पूर्व कुलपति व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस दौरान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की यह चर्चा प्रमुख रूप से अंत्योदय के विकास से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली पर आधारित है और अवश्य ही इस संवाद के माध्यम से देश के विकास की यात्रा को गहराई से जानने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में ब्लैंडेड माध्यम से आयोजित इस वार्तालाप की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, रक्षा, विज्ञान आदि के क्षेत्र स्वावलंबन की ओर बढ़ रहा है। उनका जीवन अध्ययन करने पर अवश्य ही इस बात की प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से देश में बदलाव लाकर आखिरी पायदान पर खड़े जनमानस का उत्थान संभव है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह कहना गलत नहीं होगा कि पहली बार देश को मन का प्रधानमंत्री प्राप्त हुआ। प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि आज देश में परिवारवाद, वंशवाद से इत्तर ऐसा राजनीतिक नेतृत्व विकसित हो रहा है जो कि हर आम व्यक्ति को बदलाव के अवसर उपलब्ध करवा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने विचार की गुलामी, भाषा के आतंक और धर्म व जातिवाद को केंद्र में रखते हुए भारतीय स्वतंत्रता के बाद की परिस्थितियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके कालखंडों में आए बदलावों पर अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उपस्थित विशेषज्ञों से अपनी शंकाओं के समाधान भी प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस मौके पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजीव कौशिक, डॉ. संतोष एच, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि के परिसर में ढाई हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पौधा रोपकर की अभियान की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधरोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अभियान का का शुभारंभ किया।

इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर वन विभाग के रेंज अधिकारी चंद्रगुप्त ने बताया कि पिछले साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधरोपण अभियान के अंतर्गत दो हजार पौधे लगाए गए थे। इस बार विवि प्रांगण में ढाई हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधरोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पिलखन, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पौधरोपण अभियान की शुरुआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

पर्यावरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता 10 को

नारनौल। स्लम जागृति समिति और डॉ. भीमराव आंबेडकर ओपन ग्रुप भारत स्काउट एंड गाइड के संयुक्त तत्वावधान में 10 जुलाई को सुबह 10 बजे डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन पटीकरा में समिति के अध्यक्ष भागीरथमल खनगवाल की अध्यक्षता में पर्यावरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन और पौधरोपण करने की मुहिम शुरू की जाएगी। समिति की वरिष्ठ सदस्य राजेश्वरी इंदौरा ने बताया कि प्रतियोगिता में क्षेत्र के विद्यार्थी प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। पहले तीन स्थान पर आने वाले विजेताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि कुणाल स्काउट होंगे, जबकि अति विशिष्ट अतिथि जिला नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार महेंद्र सिंह व ईश्वर सिंह विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करेंगे। संवाद

हकेंवि में पौधरोपण अभियान की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया। इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त ने बताया कि बीत साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत दो हजार पौधे लगाए गए थे जो कि इस बार ढ़ाई हजार निर्धारित किए गए है। ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखान, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पौधारोपण अभियान में सभी निभाएं सक्रिय भागीदारी

हकेंवि में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को पौधारोपण अभियान की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया। इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। वन विभाग के रेंज आफिसर चंद्रगुप्त ने बताया इस बार ढाई हजार पौधे लगाना निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पहाड़ी पापड़ी, पिलखान, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य उपस्थित रहे।

राजकीय विद्यालय में लगाए फलदार पौधे

संसू, डोहर: राजकीय माध्यमिक विद्यालय चिंडालिया में पौधा गिरी कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। मुख्याध्यापक उमेद प्रसाद ने बताया कि विद्यालय में फलदार और छायादार पौधों के साथ अनेक किस्म के पौधे लगाए गए। मानसून के मौसम में नए पौधे लगाने के लिए सबसे अधिक उपयुक्त होता है। इस समय रुक-रुक कर वर्षा होने से नए पौधों को अनुकूल वातावरण मिलता है और आसानी से बढ़ने शुरू हो जाते हैं। इस दौरान आम, जामुन, आंवला और शीशम के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्याध्यापक सहित रवि प्रकाश, अनिल, जसवंत, मीना कुमारी, रामनिवास, नरेश उपस्थित रहे।

राजकीय विद्यालय चिंडालिया में पौधारोपण करते स्टाफ सदस्य ● जागरण

हकेंवि महेंद्रगढ़ में पौधरोपण अभियान की शुरूआत

धरती मां का वृक्षों से करें श्रृंगार : कुलपति

नारनौल, 6 जुलाई (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया।

इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण है, हमें धरती मां का वृक्षों से श्रृंगार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पृथ्वी का तापमान अगर ज्यादा बढ़ेगा तो जीव-जंतु तथा पेड़ पौधे नहीं बच पाएंगे। इसलिए हमें पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त ने बताया कि बीत साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत दो हजार पौधे लगाए गए थे जो कि इस बार ढाई हजार निर्धारित किए गए है। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखन, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

महेंद्रगढ़ में बुधवार को हकेंवि में पौधरोपण अभियान की शुरुआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

हकेंवि में पौधरोपण अभियान की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई।

- पिछले वर्ष दो हजार पौधें लगाए गए थे जो इस बार ढ़ाई हजार लगाने का लक्ष्य निर्धारित

विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया। इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त ने बताया कि बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत दो हजार पौधे लगाए गए थे जो कि इस बार ढ़ाई हजार निर्धारित किए गए है।

महेंद्रगढ़। हकेवि में पौधारोपण अभियान की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधरोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखान, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

PLANTATION DRIVE LAUNCHED IN CUH

MAHENDERGARH(TIT NEWS): The plantation drive in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh launched by Vice-Chancellor Professor Tankeshwer Kumar on Wednesday by planting a tree at the new girl's hostel premises. Professor Tankeshwer Kumar appealed to the students and residents of the University to plant more trees to make the campus green. Shri Chandergupt, Range Officer, Forest Department said that the forest department planted 2000 trees last year in campus and will plant 2500 trees in the current monsoon season. Prof. Surender Singh, Coordinator, Green Campus Clean Campus Club said that the species suitable for local climate like Pahari Papari, Pilkhan, sheesham, Neem and Bakain etc. will be planted to increase greenery in the campus. Professor Sunil Kumar, Registrar Prof. Pawan Kumar Maurya, Prof. Ranjan Aneja, Dr. Payal Chandel, Dr. Ranbir Singh, Dr. Mona Sharma, Sh. Rajesh Jangra, students and Dharmendra from forest department were also present on this occasion.

हकेंवि में कुलपति ने पौधा लगाकर की पौधारोपण अभियान की शुरूआत

हकेंवि में पौधारोपण अभियान की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 6 जुलाई (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया।

इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर चंद्रगुप्त ने बताया कि बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत 2 हजार पौधे लगाए गए थे, इस बार अढ़ाई हजार निर्धारित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस-क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखन, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अभाविप ने सी.जे.एम. और वकीलों को वितरित किए पौधे

न्यायिक परिसर में सी.जे.एम. वर्षा जैन को पौधा भेंट करते अभाविप कार्यकर्त्ता। (गंगाबिशन)

रेवाड़ी (गंगाबिशन): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जिला न्यायिक परिसर में पौधे वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्त्ताओं ने सी.जे.एम. वर्षा जैन सहित सभी वकीलों को एक-एक पौधा भेंट किया। आज लगभग 300 पौधे वितरित किए गए।

अभाविप प्रांत खेल संयोजक योगेश भारद्वाज, जिला संयोजक विशाल यादव ने बताया कि हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाना होगा। आज का युग आधुनिक युग है और पूरा संसार ही पर्यावरण के प्रदूषण से पीड़ित है। आज मनुष्य की हर एक सांस लेना हानिकारक है।

पर्यावरण में जहरीली गैसों की वृद्धि हो रही है। हमें पर्यावरण को नुक्सान करने वाली चीजों का योग बहुत कम करना होगा। आज की परिस्थितियों को देखते हुए हम युवा पीढ़ी को पर्यावरण के संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आशीष शर्मा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा व संतुलन के लिए हमें जागरूक और सचेत रहना होगा। जल, वायु, ध्वनि व हर प्रकार के प्रदूषण से बचने के लिए उपाय करना होगा, तभी पर्यावरण शुद्ध व पृथ्वी की सुंदरता को चार चांद लगेंगे।

इस मौके पर चिंकी, विभाग संगठन मंत्री राकेश, शबनम, प्रीति यादव, सीमा, काजल, हर्षा, प्राची, विद्या, शिवानी, विनीता, विधि, रिया आदि मौजूद थे।

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग का कार्यक्रम

हिंदी में प्राथमिक शिक्षण सामग्री जरूरी : बिजेंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला करवाई गई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत किया।

प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारु रूप से चल सका।

कार्यशाला में संबोधित करते डॉ. बिजेंद्र कुमार। संवाद

कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया। डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा। विभिन्न टूल्स और वेबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया।

प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से हिंदी को तकनीक के साथ जोड़कर रोजगार सृजित किए जा रहे हैं। संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के सहायक डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया।

कोरोनाकाल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रूझान बढ़ा

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर हुई कार्यशाला

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्त्व को बताया विशेष प्रयास

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोनाकाल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्त्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं। इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार

करना प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्त्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि कोरोनाकाल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रूझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि कंपनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

तकनीकी विकास के साथ हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है।

कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं। इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार करना प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय भी अपने

हकेवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते डा. बिजेंद्र कुमार ● सौ. संस्था

स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डा. भीमराव आंबेडकर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डा. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. बिजेंद्र कुमार ने तकनीक और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा। विभिन्न टूल्स और वेबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डा. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसाफ्ट आदि कंपनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने प्रस्तुत किया। आनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

हकेंवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. बिजेंद्र कुमार।

■ दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. बिजेंद्र कुमार विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

महेंद्रगढ़, 8 जुलाई (परमजीत/मोहन) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं।

इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार करना प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. बिजेंद्र कुमार ने तकनीक और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा।

विभिन्न टूल्स और वैबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रुझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि कम्पनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं।

प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा।

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से हिंदी को तकनीक के साथ जोड़कर रोजगार सृजित किए जा रहे हैं। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थशंकर राय ने प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्त्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं।

उपलब्धि

बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की डिग्री पूर्ण करते ही मिला रोजगार

हकेंविवि के पांच विद्यार्थियों का हुआ चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पांच विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमेंट हुआ है। इन विद्यार्थियों को वेयर हाउसिंग एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि कौशल का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। कौशल के माध्यम से विद्यार्थी सुगमता से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास पर आधारित बीवॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है।

प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और शिक्षकों के साथ। संवाद

पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने कहा कि बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट में अध्ययनरत मोहित मौर्या, दीपक लाल, उत्तम, सुनील व सुमित कुमार को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही रोजगार प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक व प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित है जिसको पढ़कर विद्यार्थी कॉर्पोरेट जगत की महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बन रहे हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के 5 विद्यार्थियों की हुई प्लेसमेंट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पांच विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमेंट मिला है। इन विद्यार्थियों को वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कौशल विकास पर आधारित बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है और पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराए गए रोजगार के अवसर शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व विद्यार्थियों के 3 वर्षों के परिश्रम का परिणाम है।

कौशल का जीवन में बड़ा महत्व: प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पांच विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमेंट हुआ है।

इन विद्यार्थियों को वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कौशल का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। कौशल के माध्यम से विद्यार्थी सुगमता से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कौशल विकास पर आधारित बीवाक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है और पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही

बाएं से चौथे हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के साथ प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी • सौ. हकेंवि

विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने कहा कि बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट में अध्ययनरत मोहित मौर्या, दीपक लाल, उत्तम, सुनील व सुमित कुमार को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही रोजगार प्राप्त हुआ है। बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक व प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित है, जिसको पढ़कर विद्यार्थी कार्पोरेट जगत की महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बन रहे हैं। रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डा. सुयश मिश्रा ने बताया कि हाइपरलोकल वेयरहाउस स्टोरेज और डिलीवरी समाधान प्रदान करने वाली वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स में विद्यार्थियों का चयन उनके के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल, लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू के माध्यम से हुआ है। विभाग में बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों पर आधारित पाठ्यक्रम के साथ-साथ समय-समय पर औद्योगिक यात्राएं, विशेषज्ञ व्याख्यान और औद्योगिक प्रशिक्षण का आयोजन समय-समय पर किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मदद मिली है और इसी का परिणाम है कि विभाग के विद्यार्थियों का चयन रिलायंस रिटेल, फ्यूचर रिटेल एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स, ओम लाजिस्टिक्स, सनटेक एक्सप्रेस लाजिस्टिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हो रहा है।

हकेवि पाँच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

नारनौल, राजेश राज गोयल,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पांच विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमेंट हुआ है। इन विद्यार्थियों को वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कौशल का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। कौशल के माध्यम से विद्यार्थी सुगमता से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है और पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराए गए रोजगार के अवसर शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व विद्यार्थियों के तीन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है।

व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने कहा कि बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट में अध्ययनरत मोहित मौर्या, दीपक लाल, उत्तम, सुनील व सुमित कुमार को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही रोजगार प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक व प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित है जिसको पढ़कर विद्यार्थी कॉर्पोरेट जगत की महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बन रहे हैं। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि हाइपरलोकल वेयरहाउस स्टोरेज और डिलीवरी समाधान प्रदान करने वाली वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में विद्यार्थियों का चयन उनके के व्यवहारिक ज्ञान व कौशल, लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू के माध्यम से हुआ है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के रोजगार का मार्ग सुगम बने इसलिए विद्यार्थियों के कौशल शिक्षण एवं प्रशिक्षण पर विभाग में विशेष बल दिया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग में बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों पर आधारित पाठ्यक्रम के साथ-साथ समय समय पर औद्योगिक यात्रायें, विशेषज्ञ व्याख्यान और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मदद मिली है और इसी का परिणाम है कि विभाग के विद्यार्थियों का चयन रिलायंस रिटेल, फ्यूचर रिटेलएक्सप्रेसलॉजिस्टिक्स, ओम लॉजिस्टिक्स, सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग आगे भी विभिन्न कंपनियों में विद्यार्थियों के चयन के लिए प्रयासरत रहेगा।

FIVE STUDENTS OF CUH GOT PLACEMENT

MAHENDERGARH(TIT NEWS): Five students of B.Voc.Retail and Logistics Management of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh got placement as soon as they had completed their graduation. These students have got employment in Warehousing Express Logistics. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that skill has great importance in human life. Through skill, students can easily achieve their goal. He said that skill development based B.Voc. Retail and Logistics Management program is constructed on the basic pillars of the National Education Policy (NEP) 2020, which aims to provide employable education to the students and like the previous sessions, in this session also students are getting selected in various reputed institutions as soon as they complete the degree. The Vice Chancellor said that the employment opportunities provided to the students are the result of the efficient guidance of the teachers and the hard work of the students for three years. Prof. Pawan Kumar Maurya, Coordinator, Department of Vocational Studies and Skill Development said that Mohit Maurya, Deepak Lal, Uttam, Sunil and Sumit Kumar studying in B.Voc. Retail and Logistics Management, got employment as they completed their graduation degree. He said that the B.Voc. Retail and Logistics Management program is based on theoretical and practical knowledge, pursuing which students are becoming a part of important institutions of the corporate world like previous years. Dr. Suyash Mishra, Coordinator, Retail and Logistics Management said that in Warehousing Express Logistics, which provides hyperlocal warehouse storage and delivery solutions, students have been selected through their practical knowledge and skills, written test, group discussion and interview. He said that special emphasis has been given in the Department on skill education and training of students so that the path of employment of the students should be smooth. He said that along with courses based on the principles of basic education, industrial visits, expert lectures and industrial trainings are organized from time to time in the department, which has helped in the all-round development of the students. Consequently, the students of the department are getting selected in reputed institutes like Reliance Retail, Future Retail Express Logistics, Om Logistics, Suntech Express Logistics. He also said that the department will continue to make efforts for selection of students in various companies.

हकेंवि के 5 विद्यार्थियों को मिली प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 11 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के 5 विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमैंट मिला है।

इन विद्यार्थियों को वेयरहाऊसिंग एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमैंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कौशल का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। कौशल के माध्यम से विद्यार्थी सुगमता से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है और पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाए गए रोजगार के अवसर शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व विद्यार्थियों के 3 वर्षों के परिश्रम का परिणाम है।

व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने कहा कि बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट में अध्ययनरत मोहित मौर्या, दीपक लाल, उत्तम, सुनील व सुमित कुमार को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही रोजगार प्राप्त हुआ है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि हाइपरलोकल वेयरहाऊस स्टोरेज और डिलीवरी समाधान प्रदान करने वाली वेयरहाऊसिंग एक्सप्रैस लॉजिस्टिक्स में विद्यार्थियों का चयन उनके के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल, लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू के माध्यम से हुआ है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के रोजगार का मार्ग सुगम बने इसलिए विद्यार्थियों के कौशल शिक्षण एवं प्रशिक्षण पर विभाग में विशेष बल दिया जाता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग आगे भी विभिन्न कंपनियों में विद्यार्थियों के चयन के लिए प्रयासरत रहेगा।

प्लेसमैंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और शिक्षकों के साथ।

हकेवि पांच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़, (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पांच विद्यार्थियों को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही प्लेसमेंट हुआ है। इन विद्यार्थियों को वेयरहाउसिंग एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कौशल का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। कौशल के माध्यम से विद्यार्थी सुगमता से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत स्तंभों पर आधारित है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है और पिछले सत्रों की भांति इस सत्र में भी विद्यार्थी डिग्री पूर्ण करते ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराए गए रोजगार के अवसर शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व विद्यार्थियों के तीन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने कहा कि बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट में अध्ययनरत मोहित मौर्या, दीपक लाल, उत्तम, सुनील व सुमित कुमार को स्नातक की डिग्री पूर्ण करते ही रोजगार प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक व प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित है जिसको पढ़कर विद्यार्थी कॉर्पोरेट जगत की महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बन रहे हैं।

हकेंवि विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के बीवॉक बायोमेडिकल का है छात्र

पुनीत का पीजीआईएनईआर में अध्ययन के लिए चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी ने एक बार फिर से शैक्षणिक मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के तहत संचालित बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत का चयन प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएनईआर) चंडीगढ़ के एमएससी. मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि पीजीआईएनईआर जैसे अनुसंधान संस्थान में उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना खुशी की बात है। अवश्य ही उसका यह प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी होगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व शिक्षकों के साथ पुनीत। संवाद

व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि बायोमेडिकल साइंसेज विभाग के चार विद्यार्थियों ने जीएटी-बी 2022 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। पुनीत का चयन गेट-बी परीक्षा की रैंकिंग के आधार पर हुआ है। बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज विभाग के समन्वयक डॉ. विकास सैनी ने पुनीत के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हकेंवि के छात्र का पीजीआइएनईआर में अध्ययन के लिए हुआ चयन

चयन होने पर विद्यार्थी हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर (दाएं से तीसरे) के साथ ● हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी ने एक बार फिर से शैक्षणिक मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के तहत संचालित बीवाक बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत का चयन प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआइएनईआर), चंडीगढ़ के एमएससी मेडिकल बायोटेक्नोलाजी के लिए हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने पुनीत को इस उपलब्धि ने लिए बधाई देते हुए कहा कि पीजीआइएमईआर जैसे अनुसंधान संस्थान में उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना बेहद खुशी की बात है।

ह.कें.वि. का विद्यार्थी पी.जी.आई.एन.ई.आर. में अध्ययन के लिए चयनित

ह.कें.वि. का विद्यार्थी पुनीत विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व शिक्षकों के साथ।

महेंद्रगढ़, 12 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी ने एक बार फिर से शैक्षणिक मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के तहत संचालित बी.वॉक. बायोमैडीकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत का चयन प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.एन.ई.आर.), चंडीगढ़ के एम.एससी. मैडीकल बायो टैक्नोलॉजी के लिए हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने पुनीत को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि पी.जी.आई.एम.ई.आर. जैसे अनुसंधान संस्थान में उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का चयन होना बेहद खुशी की बात है। अवश्य ही उसका यह प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी होगा।

व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि बायोमैडीकल साइंसेज विभाग के 4 विद्यार्थियों ने जी.ए.टी.-बी 2022 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। पुनीत का अध्ययन हेतु चयन गेट-बी परीक्षा की रैंकिंग के आधार पर हुआ है। बी.वॉक. बायोमैडीकल साइंसेज के समन्वयक डॉ. विकास सैनी ने पुनीत के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

FIVE CUH STUDENTS GET PLACEMENT

Mahendragarh: Five students of B Voc, Retail and Logistics Management course, being run by the Central University of Haryana (CUH), have got placement at Warehousing Express Logistics just after completing their graduation. Vice-Chancellor Prof Tankeswar Kumar congratulated the students. Prof Pawan Kumar Maurya, coordinator, Department of Vocational Studies and Skill Development, said these students were Mohit Maurya, Deepak Lal, Uttam, Sunil and Sumit Kumar.

The Tribune
Wed, 13 July 2022
https://epaper.tribuneindi

बेहतर कार्य पर डेलनेट हकेंवि को दिया प्रशंसा प्रमाणपत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से विद्यार्थियों और शिक्षकों को अंतर पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध कराने पर डेलनेट ने विश्वविद्यालय को प्रशंसा प्रमाणपत्र जारी किया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है। इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन सांझा करने को बढ़ावा देता है और हकेंविवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा सांझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेंविवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना की। कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वेब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की।

डेलनेट की ओर से हकेंवि को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। यहां बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन साझा करने को बढ़ावा देता है और हकेंवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा साझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेंवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संसाधन साझा करने और डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वेब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की। उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और नरेश कुमार द्वारा की गई डिजिटल पहल की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. अजय कुमार बंसल और डॉ. शांतेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

डेलनेट की ओर से हकेंवि को मिला प्रशंसा पत्र

क्यूआर कोड गैलरी जारी करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर दाएं से तीसरे • हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकार्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन साझा करने को बढ़ावा देता है और हकेंवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा साझा करने व व्यापक पहुंच के लिए हकेंवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वेब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की। उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार सिंह और नरेश कुमार द्वारा की गई डिजिटल पहल की सराहना की।

महेंद्रगढ़। डेलनेट की ओर से प्राप्त प्रशंसा पत्र के साथ कुलपति। फोटो : हरिभूमि

डेलनेट की ओर से हकेंवि को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय-2017 से डवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क डेलनेट के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसकेसभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। यहां बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन साझा करने को बढ़ावा देता है और हकेंवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा साझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेंवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संसाधन साझा करने और डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वेब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की। उन्होंने विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच की सराहना की।

CUH received Certificate of Appreciation from DELNET

MAHENDERGARH(TIT NEWS): Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is providing inter-library loan service to its students and faculty through Developing Library Network (DELNET) since 2017. DELNET promotes resource sharing through a network of 7648 member libraries and CUH Library is one of its members. Recently the Library shared its 49716 book records with DELNET and the same are ported successfully on DELNET Discovery Portal which is accessible 24/7 by its members. Acknowledging the efforts of the Library team, DELNET issued appreciation certificate to the University Library for sharing data for the wider accessibility. The Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar appreciated the Library team for initiating resource sharing and creating a networked digital environment. He said that CUH Library would also cater to the needs of inter-library loan requests of other DELNET member libraries. Further, the Vice Chancellor also released the QR Code gallery comprising key web links of of the University for quick access. He appreciated the digital initiatives carried out by University Librarian Dr. Santosh C. H., Assistant Librarians Dr. Vinod Kumar Singh and Mr. Naresh Kumar. Prof. Ajay Kumar Bansal and Dr. Shantesh Kumar Singh were also present on the occasion.

डेलनेट ने हकेंवि को दिया प्रशंसा प्रमाण पत्र

डेलनेट की ओर से प्राप्त प्रशंसा पत्र के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, पुस्तकालय के अधिकारी व शिक्षक।

महेंद्रगढ़, 14 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डिवैल्पिंग लाइब्रेरी नैटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है।

हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सैस किया जा सकता है।

यहां बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नैटवर्क के माध्यम से संसाधन सांझा करने को बढ़ावा देता है और हकेंवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डाटा सांझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेंवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संसाधन सांझा करने और डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा।

इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वैब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की। उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच., सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और नरेश कुमार द्वारा की गई डिजिटल पहल की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. अजय कुमार बंसल और डॉ. शांतेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

डेलनेट की ओर से हकेवि को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकार्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलतापूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। यहां बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन साझा करने को बढ़ावा देता है और हकेवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा साझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संसाधन साझा करने और डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा।

एनआईआरएफ रैंकिंग की विश्वविद्यालय श्रेणी में हकेवि शामिल

- शिक्षा मंत्री ने जारी की एनआईआरएफ रैंकिंग
- विश्वविद्यालयों के 151 से 200 के रैंक बैंड में हकेवि ने बनाया स्थान

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 जारी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत के टॉप कॉलेजो, विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों की रैंकिंग जारी की। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी व उनका आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से कुलपति ने एनआईआरएफ के नोडल ऑफिसरों एवं सभी सदस्यों के समन्वय की सराहना की।

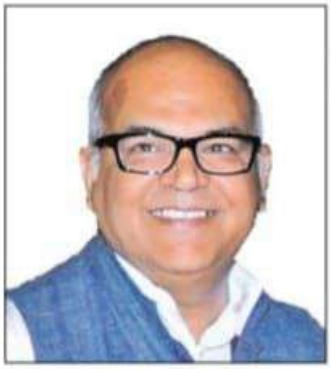

कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआईआरएफ रैंकिंग में हकेवि ने 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है, जो हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग को और बेहतर बनाने और टॉप 100 रैंक में शामिल होना हमारा अगला लक्ष्य है और आशा है कि सभी सहभागियों के सहयोग से इस भी जल्द हासिल कर लेंगे। कुलपति ने बताया कि रैंकिंग में टीचिंग, लर्निंग, अनुसंधान, आउटरीच, परीक्षा परिणाम, समावेशिता, संसाधन आदि मानदंडों के आधार पर संस्थान को स्कोर दिया जाता है।

बता दें कि हाल ही में जारी ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2022-23 में भी हकेवि को हरियाणा राज्य में तीसरी और अखिल भारतीय स्तर पर 39वीं रैंक प्राप्त हुई।

एनआईआरएफ रैंकिंग की विश्वविद्यालय श्रेणी में हकेंविवि को किया गया शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 जारी की गई। केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत के टॉप कॉलेजों, विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों की रैंकिंग जारी की। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान बनाया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी व उनका आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से कुलपति ने एनआईआरएफ के नोडल ऑफिसरों एवं सभी सदस्यों के समंवय की सराहना की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआईआरएफ रैंकिंग में हकेंविवि ने 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है, जो हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग को और बेहतर बनाने और टॉप 100 रैंक में शामिल होना हमारा अगला लक्ष्य है और आशा है कि सभी सहभागियों के सहयोग से इस भी जल्द हासिल कर लेंगे। रैंकिंग में टीचिंग, लर्निंग, अनुसंधान, आउटरीच, परीक्षा परिणाम, समावेशिता, संसाधन आदि मानदंडों के आधार पर संस्थान को स्कोर दिया जाता है। बता दें कि हाल ही में जारी ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2022-23 में भी हकेंविवि को हरियाणा राज्य में तीसरी और अखिल भारतीय स्तर पर 39वीं रैंक प्राप्त हुई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

Ashoka University best in state, ranks 88th in country

BHARTESH SINGH THAKUR
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, JULY 15

State's higher education institutions have once again performed poorly in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) of the Ministry of Education. The rankings were released today.

In the overall rankings, like last year, no institute could enter the top 100 bracket.

Among universities, Ashoka University, Sonepat, bagged the 88th position, followed by Maharishi Markandeshwar University, Ambala, at the 91st position, and Maharshi Dayanand University at the 94th place.

While Ashoka University improved from rank 95 in 2021 to 88th this year, MDU's rank has slipped as it was ranked 78th last year. Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, was ranked 88th in 2021, but it doesn't figure in the top 100 varsities of the country this year. Amity University Gurugram and Kurukshetra University also fall in the 101-150 bracket.

REPORT CARD

UNIVERSITY	RANK
Ashoka University	88
Maharishi Markandeshwar	91
Maharshi Dayanand University	94

IN 101-150 BRACKET

- Amity University Gurugram; Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar; Kurukshetra University; and Manav Rachna International Institute of Research and Studies

IN 151-200 BRACKET

- Central University of Haryana; JC Bose University of Science and Technology, YMCA; and the Northcap University

The institutions are ranked on the basis of parameters such as teaching, learning and resources; research and professional practices; graduation outcome; outreach and inclusivity; and perception.

Among the engineering institutes, the National Institute of Technology, Kurukshetra, slipped from the 44th rank in 2021 to the 50th rank this time. The Northcap University, Gurugram, is ranked 96th and Manav Rachna International Institute of Research & Studies, Faridabad, is at the 105th position.

"We have identified gaps. For the next six months, we will focus on improving NAAC grading and NIRF rankings," said Additional Chief Secretary (Higher Education) Anand Mohan Sharan.

Among the management institutes, the Management Development Institute (MDI), Gurugram, slipped two places to rank 13th in the country. The Indian Institute of Management (IIM), Rohtak, improved its ranking from the 28th to the 16th this time. The Great Lakes Institute of Management, Gurugram, is ranked 52nd, while BML Munjal University, Gurugram, is ranked 54th.

Among pharmacy institutes, Maharishi Markandeshwar is ranked 24th, MDU-Rohtak is at the 30th position, while Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, is placed 33rd. Among colleges, the IC College of Home Science, Hisar, slipped by four places to rank 42nd. Among dental institutes, the Postgraduate Institute of Dental Sciences, Rohtak, improved by one notch to rank 15th in the country.

The Tribune Sat, 16 July 2022
https://epaper.tribuneindia.com/c/69203113

'हर घर तिरंगा अभियान के लिए मिलकर करें प्रयास'

आकोदा। आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए गर्व की बात है और पिछले 75 वर्षों में न केवल भारत की लोकतांत्रिक जड़ें गहरी हुई हैं, बल्कि विकास की दृष्टि से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान निश्चित ही देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर तक ले जाएगा। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजकीय मिडिल स्कूल, धौली, झाखडी व स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर नगरपालिका महेंद्रगढ के चैयरमेन रमेश सैनी भी उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर आयोजित हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता आवश्यक है। संवाद

हर घर तिरंगा मुहिम सब मिलकर सफल बनाएं

राजकीय मिडिल स्कूल धौली में विशेष कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ | आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए गर्व की बात है और पिछले 75 वर्षों में न केवल भारत की लोकतांत्रिक जड़ें गहरी हुई हैं, बल्कि विकास की दृष्टि से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान निश्चित ही देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर तक ले जाएगा। हम सभी को हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। यह विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजकीय मिडिल स्कूल धौली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर नगरपालिका महेंद्रगढ़ के चेयरमैन रमेश सैनी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया और इसके लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले स्कूली विद्यार्थियों को भी कुलपति ने सम्मानित किया। आयोजन में पूर्व सरपंच पूरण सिंह, फूल सिंह राठौड़, राजेश भारद्वाज सहित स्थानीय गणमान्यजनों ने कुलपति का पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए करें प्रयास

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का पगड़ी पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण ● सौ.हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए गर्व की बात है और पिछले 75 वर्षों में ने केवल भारत की लोकतांत्रिक जड़ें गहरी हुई हैं, बल्कि विकास की दृष्टि से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है। हम सभी को हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजकीय मिडिल स्कूल, धौली में धौली, झाखडी व स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर नगर पालिका महेंद्रगढ़ के चैयरमेन रमेश सैनी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कुलपति ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया और इसके लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन में पूर्व सरपंच पूरण सिंह, फूल सिंह राठौड़, राजेश भारद्वाज सहित स्थानीय गणमान्यजनों ने कुलपति का पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

एनआइआरएफ रैंकिंग में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हुआ शामिल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी व उनका आभार व्यक्त किया। कुलपति ने एनआइआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमनर्क) के नोडल आफिसर एवं सभी सदस्यों के समन्वय की सराहना की। कुलपति ने कहा कि इस रैंकिंग को और बेहतर बनाने और टाप 100 रैंक में शामिल होने का हमारा अगला लक्ष्य है। आशा है कि सभी सहभागियों के सहयोग से इसे भी जल्द हासिल कर लेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● संस्था

प्रो. कुहाड़ के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है

असल में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पूर्व कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने खड़ा करने में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने इस विश्वविद्यालय के ढांचे को तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वर्तमान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर के नेतृत्व में पूरे देश में ख्याति हासिल कर रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए मिलकर करें प्रयास: प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का पगड़ी पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण।

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (परमजीत, मोहन): आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए गर्व की बात है और पिछले 75 वर्षों में न केवल भारत की लोकतांत्रिक जड़ें गहरी हुई हैं, बल्कि विकास की दृष्टि से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान निश्चित ही देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर तक ले जाएगा। हम सभी को हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजकीय मिडल स्कूल, धौली में धौली, झाखडी व स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर नगरपालिका महेंद्रगढ़ के चेयरमैन रमेश सैनी भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर आयोजित हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता आवश्यक है और इसे सफल बनाने के लिए युवाओं को विशेष प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर कुलपति ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया और इसके लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इससे पूर्व नगरपालिका के चेयरमैन ने आयोजन में सम्मिलित कुलपति को ग्रामीणों व स्कूली विद्यार्थियों के समक्ष प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि उनकी उपस्थिति सभी को उनके लक्ष्य के प्रति कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करेगी।

कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले स्कूली विद्यार्थियों को भी कुलपति ने सम्मानित किया।

आयोजन में पूर्व सरपंच पूरण सिंह, फूलसिंह राठौड़, राजेश भारद्वाज सहित स्थानीय गण्यमान्यजनों ने कुलपति का पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

हकेंवि में मनाया 73वां वन महोत्सव

महेंद्रगढ़। हरियाणा सरकार, वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव मंगलवार को आयोजित किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीम, बरगद और पीपल के पौधे लगाए। साथ ही अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वन महोत्सव का आयोजन वन मंडल हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकूला, हकेंविवि क्लीन कैंपस, ग्रीन कैंपस क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया। इस दौरान क्लीन कैंपस, ग्रीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में हरियाणा सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

इस मौके पर जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह, देशराज शर्मा, चंद्रगुप्त, राजेश शर्मा झाड़ली, प्रवक्ता सुरेंद्र गाहड़ा, दिनेश शर्मा, अशोक कुमार ने भी पौधे लगाए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. संतोष सीएच, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. वीएन यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. केशव रावत ने पौधरोपण किया। संवाद

हकेंवि में मनाया 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव

महेंद्रगढ़ | वन विभाग की ओर से हकेंवि महेंद्रगढ़ में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। वन मण्डल, महेंद्रगढ़, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला, हकेंवि क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने त्रिवेणी नीम, बरगद व पीपल के पौधे लगाए। इस मौके पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला के सदस्य देशराज शर्मा, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल सेल्फी विद माय तलैया टीम के सदस्य वन राजिक अधिकारी चंद्रगुप्त, राजेश शर्मा झाड़ली, प्रवक्ता सुरेंद्र गाहड़ा, प्रवक्ता दिनेश शर्मा, अशोक कुमार वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार वनरक्षक ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. संतोष, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. वीएन यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. केशव रावत सहित शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी पौधरोपण किया।

हर एक व्यक्ति वर्ष में एक बार पौधारोपण जरूर करे

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा सरकार, वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 73वां जिलास्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। वन मंडल, महेंद्रगढ़, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला, हकेंवि क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने त्रिवेणी नीम, बरगद और पीपल के पौधे लगाए।

कुलपति ने कहाहर एक व्यक्ति वर्ष में एक बार पौधारोपण जरूर करें। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में हरियाणा सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इसमें प्रमुख रूप से जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह उपस्थित रहे। हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला के सदस्य देशराज शर्मा, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल सेल्फी विद माय तलैया टीम के सदस्य वन राजिक अधिकारी चंद्रगुप्त, राजेश शर्मा झाड़ली, प्रवक्ता सुरेंद्र गाहड़ा, प्रवक्ता दिनेश शर्मा, अशोक कुमार वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार वन रक्षक ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डा. संतोष सीएच., प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डा. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डा. वीएन यादव, डा. दिनेश ने भी पौधारोपण किया।

हकेंवि में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाएं से तीसरे) ● सौ. हकेंवि

हकेंवि में वन महोत्सव आयोजित, लगाये पौधे

महेन्द्रगढ़, 19 जुलाई (निस)

हरियाणा सरकार व वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आज 73वाँ जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नीम, बरगद व पीपल के पौधे लगाए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विवि के स्टाफ को संबोधित करते हुए प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस कलब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में हरियाणा सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया जिसमें प्रमुख रूप से जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. संतोष सीएच, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. वीएन यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. केशव रावत सहित शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी पौधारोपण किया।

महेन्द्रगढ़ के हकेंवि में मंगलवार को आयोजित 73 वें जिला स्तरीय वन महोत्सव में पौधारोपण करते हुये कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।-निस

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 20 July 2022
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/69289706

हकेंवि में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित

महेंद्रगढ़। राज्य सरकार, वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। वन मंडल, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड पंचकूला, हकेंवि क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस कलब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने त्रिवेणी नीम, बरगद व पीपल के पौधे लगाए। हकेंवि के क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस कलब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में राज्य सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह उपस्थित रहे।

73rd District level Van Mahotsav organized at CUH

TITCorrespondent
info@impressivetimes.com

PROF. SURENDRA SINGH, COORDINATOR, CLEAN CAMPUS GREEN CAMPUS CLUB, CUH INFORMED THAT THIS FESTIVAL WAS ORGANIZED BY THE FOREST DEPARTMENT OF HARYANA GOVERNMENT AT THE UNIVERSITY IN WHICH MAINLY DISTRICT FOREST OFFICER MR. ROHTASH SINGH WAS PRESENT.

MAHENDRAGARH: The 73rd District Level Van Mahotsav was organized by Forest Department, Government of Haryana at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Organized by the joint efforts of Forest Board, Mahendergarh, Haryana State Biodiversity Board, Panchkula, CUH Clean Campus Green Campus Club, National Service Scheme, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar planted Triveni Neem, Banyan and Peepal saplings at this festival. While addressing the officers, employees, teachers, students and researchers present on the occasion, the Vice Chancellor gave the message of Nature Conservation. Prof. Surendra Singh, Coordinator, Clean Campus Green Campus Club, CUH informed that this festival was organized by the Forest Department of Haryana Government at the University in which mainly District Forest Officer Mr. Rohtash Singh was present. On this occasion, Haryana State Biodiversity Board, Panchkula member Deshraj Sharma, Mission Mahendergarh 'Apna Jal Selfie with My Talaiya' team member State Forest Officer Chandragupta, Rajesh Sharma Jharli, Spokesperson Surendra Gahda, Spokesperson Dinesh Sharma, Forest Inspector Ashok Kumar, Forest Guard Dharmendra Kumar also gave the message of environmental protection by planting saplings. On this occasion the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar, Prof. Ranjan Aneja, Dr. Santosh C.H., Prof. Pawan Kumar Maurya, Prof. Sunil Kumar, Dr. Dinesh Kumar, Prof. Harish Kumar, Dr. V.N. Yadav, Dr. Dinesh Chahal, Dr. Payal Chandel, Dr. Mona Sharma, Dr. Keshav Rawat along with teachers, students and researchers also planted saplings.

ह.कें.वि. में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव मनाया

■ कुलपति ने पौधे लगाकर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा सरकार, वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में 73वां जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया।

वन मंडल, महेंद्रगढ़, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकूला, ह.कें.वि. क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने त्रिवेणी नीम, बरगद व पीपल के पौधे लगाए।

इसके साथ ही उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

ह.कें.वि. में आयोजित 73वें जिला स्तरीय वन महोत्सव में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में हरियाणा सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह उपस्थित रहे।

इस मौके पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकूला के सदस्य देशराज शर्मा, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल सैल्फी विद माय तलैया टीम के सदस्य वन राजिक अधिकारी चंद्रगुप्त, राजेश शर्मा झाड़ली, प्रवक्ता सुरेंद्र गाहड़ा, प्रवक्ता दिनेश शर्मा आदि ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. संतोष सी.एच., प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. वी.एन. यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा आदि ने भी पौधारोपण किया।

नैनो बायोमटेरियल्स का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अहम योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर द्वारा भारत सरकार की एक्सेलरेट विज्ञान पहल के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित बायोमेडिकल अनुप्रयोग के लिए नैनो बायोमटेरियल्स के संश्लेषण लक्षण और महत्व पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नैनो बायोमटेरियल्स का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह ये बायोमटेरियल्स डायग्नोस्टिक्स, ड्रग डिलीवरी, इमेजिंग और अन्य थेरेपी में उपयोगी हैं। इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों, शोधार्थियों को विभिन्न विषयों को जानने समझने में मदद मिलती है।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

कार्यशाला की शुरुआत में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजक व सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर के निदेशक प्रो. गुंजन गोयल ने बताया कि इस कार्यशाला में नौ संस्थानों के 25 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। व्याख्यान आनलाइन और आफलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे जबकि प्रयोगशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. एसके त्रिपाठी ने नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली की वक्ता डा. रितु श्रीवास्तव ने नैनो कणों के संश्लेषण विधियों, निदान और दवा वितरण में उनके उपयोग पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, डा. मोना शर्मा, डा. दिनेश कुमार, डा. मनोज कुमार गुप्ता, डा. उषा नागराजन, डा. अमित कुमार और अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कार्यशाला आज

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ हरियाणा पत्रकार संघ, महेंद्रगढ़ इकाई के सहयोग से पत्रकारों व विद्यार्थियों के लिए 27 जुलाई को विशेष कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अमित आर्य, मीडिया सलाहकार, मुख्यमंत्री, हरियाणा उपस्थित रहेंगे। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजन अग्रवाल, केबी पंडित, प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा पत्रकार संघ, धर्मपाल धनखड़ और प्रवीन गौतम आदि उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से पत्रकारों व इस क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवा विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र से जुड़ी विभिन्न बारीकियों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला आज

महेंद्रगढ़| हकेंवि महेंद्रगढ़ हरियाणा पत्रकार संघ महेंद्रगढ़ इकाई के सहयोग से पत्रकारों व विद्यार्थियों के लिए 27 जुलाई को विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे और इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मीडिया सलाहकार मुख्यमंत्री हरियाणा अमित आर्य उपस्थित रहेंगे। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में संपादक राजन अग्रवाल, हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष केबी पण्डित, पूर्व संपादक धर्मपाल धनखड़ व प्रवीन गौतम आदि उपस्थित रहेंगे।

भारतीय सेना के पराक्रम की परिचायक है कारगिल विजय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने बलिदानियों को किया याद

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांवों व आसपास के क्षेत्र में रहने वाले सेना के पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विद्या वीरता स्थल पर दीप प्रज्जवलन व पुष्प अर्पित करने के पश्चात शिक्षा पीठ स्थित सभागार में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कैप्टन कृष्ण सिंह शेखावत, कैप्टन रामकिशन तंवर, कैप्टन विक्रम सिंह तंवर, सुबेदार सवाई सिंह, सुबेदार जय पाल सिंह, सुबेदार अवधेश कुमार, हवलदार एमसी शर्मा, हवलदार संजय सिंह, नायब सुबेदार संदीप तंवर, डॉ. भंवर सिंह, कैप्टन हनुमान सिंह, नायब सुबेदार बीर सिंह, नायब सुबेदार जयराम, नायब सुबेदार राजेराम सहित पूर्व सैनिक सम्मिलित हुए। उन्होंने अपने अनुभव शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व ग्रामीणों के साथ साझा किए। इनमें कैप्टन विक्रम सिंह व कैप्टन रामकिशन ने सेना के समक्ष उपस्थित विषम परिस्थितयों पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में कार्यरत सेना से सेवानिवृत्त राजेश जांगड़ा ने भी कविता के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की।

विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित करने बाद पूर्व सैनिकों व विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मध्य ग्रे ब्लाक जैकेट में ● हकेंवि

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जय जवान जय किसान के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अजय पाल शर्मा ने कारगिल की लड़ाई में परमवीर चक्र विजेताओं के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. रेनु यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, सुंदर लाल शर्मा, राधेश्याम सिंह, बसर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

महान वीरों को देश हमेशा याद करेगा

जागरण संवाददाता, नारनौल: आल इंडिया एक्स सर्विसमैन वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत रतन डा. भीमराव आंबेडकर अध्ययन केंद्र के उपाध्यक्ष धर्मपाल चौधरी ने कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में वीरगति प्राप्त करने वाले योद्धाओं को नेशनल वार मेमोरियल इंडिया गेट नई दिल्ली दिल्ली में श्रद्धांजलि दी।

धर्मपाल चौधरी ने बताया कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान का समझौता हुआ था। जिसमें कहा गया था कि सेना कारगिल की पहाड़ियों में नहीं रहेंगी और दोनों देशों की सेनाएं पहाड़ियों से दूर रहेंगे। इस समझौते को हिंदुस्तान व पाकिस्तान की सेनाओं को पालन करना था, परंतु पाकिस्तानी सेना ने हिंदुस्तान की सेना से धोखा किया। भारतीय सेना ने जब पाकिस्तान की सेना से चर्चा की तो पाकिस्तान की सेना ने बताया के पहाड़ियों पर सेना नहीं उग्रवादी हैं। भारतीय सेना ने उग्रवादी समझकर आर्मी की लगातार एक के बाद एक कंपनी पहाड़ पर भेजी गई, परंतु पहाड़ पर चढ़ने से पहले ही पाकिस्तानी सेना ने हमला कर दिया। भारतीय सेना ने बड़ी बहादुरी से पाकिस्तानी सेना के हजारों सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया, जिसके बाद पाकिस्तान के क्षेत्र में भारतीय सेना ने कब्जा कर लिया। तब से 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महान वीरों को हमेशा देश याद करेगा।

नेशनल वार मेमोरियल इंडिया गेट पर बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते धर्मपाल चौधरी● सौ. स्वयं

पंजाब केसरी
WED,27 JULY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

नैनो बायोमैटीरियल्स के महत्व पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के सैंट्रल इंस्ट्रूमैंटेशन सैंटर द्वारा भारत सरकार की एक्सेलरैट विज्ञान पहल के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित बायोमैडीकल अनुप्रयोगों के लिए नैनो बायोमैटीरियल्स के संश्लेषण लक्षण और महत्व पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नैनो बायोमैटीरियल्स का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह ये बायोमैटीरियल्स डायग्नोस्टिक्स, ड्रग डिलीवरी, इमेजिंग और अन्य थैरेपी में उपयोगी हैं। कुलपति ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों, शोधार्थियों को विभिन्न विषयों को जानने-समझने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

कार्यक्रम के आयोजक व सैंट्रल इंस्ट्रूमैंटेशन सैंटर के निदेशक प्रो. गुंजन गोयल ने बताया कि इस कार्यशाला में 9 संस्थानों के 25 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। व्याख्यान ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जबकि प्रयोगशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. एस. के. त्रिपाठी ने नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली की वक्ता डॉ. रितु श्रीवास्तव ने नैनोकणों के संश्लेषण विधियों, निदान और दवा वितरण में उनके उपयोग पर विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
WED,27 JULY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

भारतीय सेना के पराक्रम की परिचायक है कारगिल विजय : प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर जवानों के बलिदान को किया याद

महेंद्रगढ़, 26 जुलाई (परमजीत, मोहन): कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-3 में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गांवों व आसपास के क्षेत्र में रहने वाले सेना के पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

इस दौरान आयोजित विशेष कार्यक्रम में कैप्टन कृष्ण सिंह शेखावत, कै. रामकिशन तंवर, कै. विक्रम सिंह तंवर, सूबेदार सवाई सिंह, सू. जय पाल सिंह, सू. अवधेश कुमार, हवलदार एम.सी. शर्मा, हवलदार संजय सिंह आदि सम्मिलित हुए। उन्होंने अपने अनुभव शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व ग्रामीणों के साथ सांझे किए। कैप्टन विक्रम सिंह व कैप्टन रामकिशन ने सेना के समक्ष उपस्थित विषम परिस्थितियों पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जय जवान जय किसान के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि युवा पीढ़ी को इन तीनों से प्रेरणा लेकर जीवन में अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम दौरान उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने कारगिल की लड़ाई में परमवीर चक्र विजेताओं के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनू यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, सुंदर लाल शर्मा, राधेश्याम सिंह, बसर सिंह आदि मौजूद थे।

विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित करने के बाद पूर्व सैनिकों व विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (दाएं) कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नैनो बायोमैटीरियल्स के महत्व पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के सैंट्रल इंस्ट्रूमैंटेशन सैंटर द्वारा भारत सरकार की एक्सेलरैट विज्ञान पहल के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित बायोमैडीकल अनुप्रयोगों के लिए नैनो बायोमैटीरियल्स के संश्लेषण लक्षण और महत्व पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नैनो बायोमैटीरियल्स का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह ये बायोमैटीरियल्स डायग्नोस्टिक्स, ड्रग डिलीवरी, इमेजिंग और अन्य थैरेपी में उपयोगी हैं। कुलपति ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों, शोधार्थियों को विभिन्न विषयों को जानने-समझने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

कार्यक्रम के आयोजक व सैंट्रल इंस्ट्रूमैंटेशन सैंटर के निदेशक प्रो. गुंजन गोयल ने बताया कि इस कार्यशाला में 9 संस्थानों के 25 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। व्याख्यान ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जबकि प्रयोगशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. एस. के. त्रिपाठी ने नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली की वक्ता डॉ. रितु श्रीवास्तव ने नैनोकणों के संश्लेषण विधियों, निदान और दवा वितरण में उनके उपयोग पर विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पंजाब केसरी
WED,27 JULY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

ह.कें.वि. में मीडियाकर्मियों सहित विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला आज

महेंद्रगढ़, 26 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ हरियाणा पत्रकार संघ, महेंद्रगढ़ इकाई के सहयोग से पत्रकारों व विद्यार्थियों के लिए 27 जुलाई को विशेष कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है।

कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे और इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अमित आर्य, मीडिया सलाहकार, मुख्यमंत्री, हरियाणा उपस्थित रहेंगे। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजन अग्रवाल, सम्पादक, इंडिया न्यूज, हरियाणा, के.बी. पंडित, प्रदेश अध्यक्ष,

हरियाणा पत्रकार संघ, धर्मपाल धनखड़, पूर्व सम्पादक, हरियाणा न्यूज व प्रवीण गौतम आदि उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से पत्रकारों व इस क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवा विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र से जुड़ी विभिन्न बारीकियों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ. आलेख एस नायक ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय पत्रकारों व विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को बदलते समय और उसके परिणामस्वरूप पत्रकारिता के क्षेत्र में उपस्थित हो रही चुनौतियों का समाधान उपलब्ध करवाना है।

MARKET WATCH